फेस स्कैन कर जानें अपना पूर्व जन्म

ब्रिक्स सम्मेलन की प्रदर्शनी में झलक रही सभ्यता, संस्कृति और विरासत

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 8 अगस्त. भारत की कई सदी पुरानी पाण्डुलिपियां, सभ्यता, विरासत और संस्कृति की झलक इन दिनों कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में देखने को मिल रही है. ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन के तहत लगाई गई तीन विषयों पर आधारित प्रदर्शनियां शनिवार को दर्शकों के लिए खोली गई. इस प्रदर्शनी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एक ऐसा सिस्टम भी है, जिसमें फेस स्कैन करने पर आप हजारों साल पहले अपने पूर्व जन्मों या पौराणिक स्वरूपों को जान सकते हैं.

ब्रिक्स डेलीगेट्स के 42 सदस्य शनिवार को केन्द्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के साथ सांची पहुंचे. प्रदेश के संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र लोधी भी साथ थे. यहां उन्होंने मुख्य स्तूप, तोरण द्वार, स्तंभों, शिल्पकला को देखा. विशेषज्ञों व गाइड ने प्रतिनिधियों को सांची के इतिहास, स्मारकों की स्थापत्य विशेषताओं के बारे में जानकारी दी.

यह सिस्टम डिजाइन करने वाले मो. अल्तमिस ने बताया कि इसमें एक हजार से अधिक ऋषि मुनियों की जानकारी फीड की गई है. जिससे करीब 40 से लेकर 80 प्रतिशत तक कैरेक्टर को पहचान कर पौराणिक छवि दिखाई देती है. प्रदर्शनी में प्रोजेक्ट मौसम, वृहत्तर भारत और ज्ञान भारतम् विषय पर आधारित भारत और ब्रिक्स देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों, प्राचीन ज्ञान और साझा विरासत को आधुनिक तकनीक के माध्यम से दिखाया गया है. सम्मेलन में मध्य प्रदेश पवेलियन भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. पर्यटन स्थल, लोक, जनजातीय कला को प्रदर्शित किया है. भारत की प्राचीन पांडुलिपि को तकनीकि रूप से संरक्षित किया जा रहा है. जिसमें अब तक 1 करोड़ 22 लाख से अधिक पाण्डुलिपियां संग्रहित हो चुकी हैं. संस्कृति विभाग के विश्वरंजन मलिक ने बताया कि प्रदर्शनी में 16 वीं शताब्दी तक की लीलावती नामक पाण्डुलिपि रखी गई है. इन्हें ज्ञान भारतम ऐप से हिंदी भाषा में भी पढ़ सकते हैं.

भाषा की मर्यादा पर उर्दू अकादमी में कार्यशाला

भोपाल(निज संवाददाता). मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी ने शनिवार को भाषा की शालीनता और जिम्मेदारी पर केंद्रित वार्षिक कार्यशाला आयोजित की. यह कार्यक्रम संस्कृति भवन स्थित अकादमी सभागार में हुआ. आयोजन का उद्देश्य सार्वजनिक जीवन और सामाजिक संवाद में भाषा के सही उपयोग को लेकर समझ विकसित करना रहा. अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने कहा कि भाषा केवल बातचीत का जरिया नहीं, बल्कि समाज के संस्कार और सोच को दर्शाती है. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी जरूरी है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि भाषा की मर्यादा खत्म हो जाए. असहमति को भी सम्मानजनक शब्दों में रखा जा सकता है. कार्यशाला में भाषा की सादगी, संवाद की संस्कृति और साहित्य की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा हुई. वरिष्ठ साहित्यकार इकबाल मसूद भी शामिल हुए. अंत में प्रतिभागियों ने रचनापाठ किया और अपने विचार साझा किए.

अंडर-14 बास्केटबॉल में सेंट थेरेसा की जीत

निज संवाददाता

भोपाल, 8 अगस्त. पिपलानी स्थित सेंट थेरेसा गर्ल्स स्कूल की अंडर-14 टीम ने कोलार के द सेज स्कूल में हुई एसजीएफआई जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया. इस जीत के साथ टीम अब अगले स्तर की प्रतियोगिता के लिए मजबूत दावेदार मानी जारही है.

आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता में शहर के कई स्कूलों की टीमें शामिल हुई थीं. सेंट थेरेसा की टीम ने शुरुआत से ही संतुलित खेल दिखाया. खिलाड़ियों के बीच तालमेल साफ नजर आया और डिफेंस के साथ अटैक में भी टीम मजबूत रही. कोच राजकुमार के मार्गदर्शन में टीम ने मैच दर मैच अपनी रणनीति बेहतर की, जिसका असर नतीजों में दिखा.

स्कूल प्रबंधन के मुताबिक यह उपलब्धि छात्रों के नियमित अभ्यास और अनुशासन का परिणाम है.

खुशी दाभाडे का भारतीय फेंसिंग टीम में चयन

भोपाल. मध्यप्रदेश की अंतरराष्ट्रीय फेंसिंग खिलाड़ी खुशी दाभाडे का चयन सीनियर कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप-2026 के लिए भारतीय टीम में हुआ है. प्रतियोगिता 9 से 14 अगस्त 2026 तक नाइजीरिया में आयोजित की जा रही है. खुशी वुमेंस एपी स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी.

महिलाओं को स्तनपान का महत्व बताया

जीएमसी : स्तनपान सप्ताह में जागरुकता का संदेश

नवभारत न्यूज

भोपाल, 8 अगस्त. गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया. इस वर्ष की थीम 'स्वस्थ गृह के लिए स्तनपान का समर्थन' रही. आयोजन का उद्देश्य स्तनपान के महत्व के प्रति स्वास्थ्यकर्मियों, विद्यार्थियों और आम लोगों को जागरूक करना रहा.

समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम शुक्रवार को स्त्री रोग बाह्य रोगी विभाग में हुआ. मुख्य अतिथि गांधी मेडिकल कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. कविता एन. सिंह रहीं.

कार्यक्रम में त्वचा रोग विभागाध्यक्ष डॉ. एना एलेक्स, नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. कविता कुमार और शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ. मंजूषा गोयल मौजूद रहीं. आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. रेखा वाधवानी के मार्गदर्शन में हुआ.

सप्ताहभर अस्पताल के विभिन्न वार्डों में नुक्कड़ नाटक के जरिए गर्भवती महिलाओं, प्रसूता माताओं और उनके परिजनों को स्तनपान के प्रति जागरूक किया गया. जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरू करने और पहले छह महीने तक केवल मां का दूध पिलाने पर जोर दिया. इस दौरान नर्सिंग अधिकारियों की रंगोली व पोस्टर प्रतियोगिता, विद्यार्थियों की स्लोगन व कविता प्रतियोगिता, इंटर्न की रोल-प्ले तथा रील प्रतियोगिता आयोजित हुई. समापन पर प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया.

'धागा, एक पहचान' कार्यक्रम का समापन आज

भोपाल(निज संवाददाता). राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे तीन दिवसीय कार्यक्रम 'धागा, एक पहचान' का समापन रविवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में होगा. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश और संग्रहालय के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में शाम 3.30 बजे 'रिवायत' फैशन शो मुख्य आकर्षण रहेगा. आयोजकों ने बताया इसमें पारंपरिक हथकरघा कपड़ों को आधुनिक डिजाइन के साथ प्रस्तुत किया जाएगा.

गलत संगत से नशे की गिरफ्त में युवा

संस्कार और योग से मुक्ति का संदेश

भोपाल, 8 अगस्त. मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय में नशामुक्त भारत अभियान के तहत नशा मुक्ति पर व्याख्यान और शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की संगीता दीदी मुख्य अतिथि रहीं, अध्यक्षता विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलगुरु प्रो. रतन सूर्यवंशी ने की.

संगीता दीदी ने कहा कि जब तक युवा संस्कारवान नहीं होगा, तब तक परिवार और समाज संस्कारवान कैसे बनेगा. उन्होंने कहा कि नशे से मुक्ति केवल शपथ लेने से नहीं मिलेगी, बल्कि इसके लिए मानसिक दृढ़ता और निरंतर प्रयास जरूरी है.

उन्होंने ध्यान और योग को नशा मुक्त जीवन का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए कहा कि नशा मुक्ति अभियान को जन आंदोलन बनाना होगा. प्रो. रतन सूर्यवंशी ने कहा कि नशामुक्ति के लिए 'रोको-टोको' अभियान चलाने की जरूरत है. उन्होंने कर्मचारियों और अधिकारियों से स्वयं नशा मुक्त रहने तथा दूसरों को भी प्रेरित करने का आह्वान किया. कार्यक्रम में ममता दीदी ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी और उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई. संचालन निधि गौतम ने किया.

एक नजर में

छऊ कार्यशाला का समापन, 'सखा क्रीड़ा' की प्रस्तुति

भोपाल, (निज संवाददाता). कीर्ति बैले एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स द्वारा आयोजित मयूरभंज छऊ नृत्य कार्यशाला का समापन शनिवार को मायाराम सुरजन स्मृति भवन में हुआ. आयोजकों के अनुसार 21 जुलाई से शुरू हुई इस कार्यशाला में 15 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर पारंपरिक छऊ नृत्य का प्रशिक्षण लिया. समापन कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने छऊ व्यायाम, अलग-अलग चालों और पारंपरिक प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया. इसमें शारीरिक संतुलन, तलवार संचालन और बाघ-घोड़ा दुमका जैसी तकनीकों को मंच पर दिखाया गया. 'टबका' और 'उफली' के जरिए दैनिक जीवन से जुड़े भावों को भी नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति 'सखा क्रीड़ा' रही, जिसे दर्शकों ने सराहा.

कौशल शिक्षा में राज्यों की भूमिका महत्वपूर्ण : डॉ. पालीवाल

भोपाल, (नवभारत प्रतिनिधि). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 के अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई) में 5 दिवसीय कार्यक्रम का समापन शुक्रवार को हो गया. आयोजन में देश के 5 राज्यों के 44 वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों ने हिस्सा लिया और अपने राज्यों में कौशल शिक्षा को लागू करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की. कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. दीपक पालीवाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए कौशल शिक्षा को स्कूली शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना बेहद जरूरी है.

कैंपियन, कार्मेल रतनपुर और अरविंदो चैंपियन

भोपाल, (खेल प्रतिनिधि). एसजीएफआई इंटर-स्कूल बालक वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2026 का शनिवार को फाइनल मुकाबलों के साथ समापन हो गया. तीन आयु वर्गों में कैंपियन, कार्मेल रतनपुर और श्री अरविंदो स्कूल ने खिताब जीते. अंडर-14 वर्ग में कैंपियन की टीम विजेता बनी, श्री अरविंदो स्कूल उपविजेता रहा. अंडर-17 में कार्मेल रतनपुर ने पहला स्थान हासिल किया. इस वर्ग में कैंपियन को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा. अंडर-19 वर्ग का खिताब श्री अरविंदो स्कूल के नाम रहा. सेंट जेवियर्स की टीम उपविजेता बनी.

नगर में आज

कलार्जन नृत्य
समय - शाम 6:30 बजे से स्थान - रंगश्री लिटिल बैलेटूप

'धागा, एक पहचान' समापन
समय - दोपहर 3:30 बजे से स्थान - मानव संग्रहाल

संभावना नृत्य
समय - 2 बजे से स्थान - जनजातीय संग्रहालय

शलाका चित्र प्रदर्शनी
समय - 2 बजे से स्थान - जनजातीय संग्रहालय

सत्य, अहिंसा और संयम से धर्म की होती है रक्षा : आचार्यश्री

निज संवाददाता

भोपाल,8 अगस्त. एमपी नगर स्थित श्री विद्योदय तीर्थ में शनिवार को वर्षायोग के दौरान आयोजित धर्मसभा में आचार्यश्री समयसागर महाराज ने कहा कि आगम से हटकर धर्म को समझने या मनमाने तरीके से उसकी व्याख्या करने से उसकी मूल भावना कमजोर होती है.

आचार्यश्री ने कहा कि आगम की रक्षा हर धर्मानुरागी की जिम्मेदारी है और इसके लिए विधिवत स्वाध्याय जरूरी है. बिना सही अध्ययन के आत्महित को समझना संभव नहीं है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि धर्म केवल

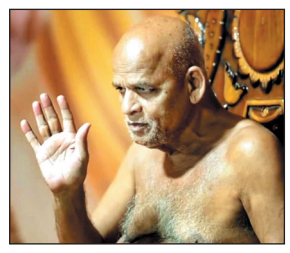

चर्चा या भाषण से नहीं चलता, बल्कि आचरण में सत्य, अहिंसा और संयम अपनाने से ही उसकी रक्षा होती है. आचार्यश्री ने बताया किसी के प्रति न अधिक लगाव हो और न ही द्वेष, यही संतुलन साधना का आधार है. उन्होंने मध्यम भाव रखने और अनावश्यक प्रशंसा या निंदा से बचने की सलाह दी.

इंटर स्कूल स्पर्धा में विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

भोपाल, 8 अगस्त. एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड टूरिज्म स्टडीज (एमपीआईएचटीटीएस) भोपाल में इंटर स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में शहर के 8 स्कूलों से आए 82 छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया. कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान की संचालक डॉ. नीलिमा वर्मा द्वारा किया गया. प्रतियोगिता के दौरान फ्लावर रंगोली, राखी मेकिंग, जुगाड़ इनोवेशन और मेहंदी जैसी विविध रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन हुआ. इसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा और कला का शानदार प्रदर्शन किया.

कलम से आखिरी व्यक्ति को मिले लाभ

महिला पत्रकारों की भूमिका पर विशेष विमर्श में अनुराधा शंकर सिंह ने कहा

नवभारत न्यूज

भोपाल, 8 अगस्त. हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष के अवसर पर हिंदी लेखिका संघ, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा शनिवार को सप्रे संग्रहालय के ज्ञानतीर्थ सभागार में 'दो सदियों की साक्षी : हिंदी पत्रकारिता-महिला पत्रकारों की महती भूमिका' विषय पर विशेष विमर्श आयोजित किया गया.

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सेवानिवृत्त विशेष पुलिस महानिदेशक एवं गांधीवादी अनुराधा शंकर सिंह ने कहा कि पत्रकारिता की कलम ऐसी होनी चाहिए, जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति को भी लाभ मिले. उन्होंने कहा कि प्रकृति से हमने हमेशा लिया है, अब समाज को कुछ देने की जिम्मेदारी भी हमारी है. उन्होंने स्त्री-पुरुष के कृत्रिम विभाजन पर विचार करते हुए कहा कि दोनों अलग हैं, लेकिन विविधता में ही एकता है. महिलाओं की संवेदनशीलता और मार्मिकता उनकी ताकत है, जिसे बनाए रखना चाहिए.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजयदत्त श्रीधर ने कहा कि पत्रकार के लिए निरंतर पढ़ना बेहद जरूरी है. उन्होंने कहा कि जितना अधिक पढ़ेंगे, उतनी ही बेहतर ढंग से लिखने की समझ विकसित होगी. पत्रकार को हर परिस्थिति में अपने विवेक से काम करना चाहिए.

संस्था की अध्यक्ष डॉ. साधना गंगराड़े ने स्वागत वक्तव्य में कहा कि हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होना भारतीय पत्रकारिता के इतिहास का महत्वपूर्ण पड़ाव है. इस अवसर पर आयोजित विमर्श का उद्देश्य हिंदी पत्रकारिता के विकास में महिला पत्रकारों के ऐतिहासिक योगदान, उनके संघर्ष और उपलब्धियों को रेखांकित करना तथा नई पीढ़ी को इस समृद्ध परंपरा से परिचित कराना है.

वरिष्ठ पत्रकार शिफाली पांडे ने कहा कि पत्रकार को अपनी जमीन खुद बनाए रखनी चाहिए और अपने भीतर के पत्रकार को जीवित रखते हुए उसे लगातार मांजना चाहिए. उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में नैतिकता और अनैतिकता के बीच एक महीन लकीर होती है और पत्रकार को उसी के बीच संतुलन बनाकर काम करना पड़ता है. उन्होंने कहा, 'पत्रकारिता में टिके रहना है तो मेकअप से पहले माइंड मेकअप जरूरी है.'

डॉ. ऋतु मिश्र ने कहा कि साहसी पत्रकार समाज को नई दिशा देते हैं. पत्रकार को अपनी खबर की स्क्रिप्ट स्वयं तैयार करने का कौशल विकसित करना चाहिए.

डॉ. मंगला अनुजा ने कहा कि एक अच्छा लेखक ही बेहतर पत्रकार बन सकता है. अंजली राय ने पत्रकारिता के साथ पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन की चुनौतियों पर अपने अनुभव साझा किए. उन्होंने कहा कि पत्रकार कभी सेवानिवृत्त नहीं होता. पत्रकार को वही लिखना चाहिए जिसे उसकी अंतरात्मा स्वीकार करती है. कार्यक्रम का संचालन ममता यादव ने किया. सरस्वती वंदना सुषमा ने प्रस्तुत की, आभार प्रदर्शन कमल चंद्रा ने किया. कार्यक्रम में सुनीता यादव, वर्षा चौबे, साधना शुक्ला, कुमकुम गुप्ता, राजेंद्र गट्टानी, गोकुल सोनी, रंजना शर्मा सहित साहित्यकार, पत्रकार और शोधार्थी उपस्थित रहे.

भावी वकीलों ने देखी जिला अदालत की कार्यप्रणाली

नवभारत न्यूज

भोपाल, 8 अगस्त. एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज के छात्रों ने जिला एवं सत्र न्यायालय का शैक्षणिक भ्रमण किया. इस दौरान विद्यार्थियों को अदालत की कार्यप्रणाली को करीब से समझने का मौका मिला. विश्वविद्यालय के अनुसार विजिट का उद्देश्य छात्रों को किताबों के साथ-साथ व्यवहारिक जानकारी देना था.

भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राएं अलग-अलग कोर्टरूम में गए और चल रही सुनवाई देखी. उन्होंने केस की प्रक्रिया, वकीलों की दलीलें और जज की भूमिका को समझा.

दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया समझी

छात्र-छात्राओं ने कोर्ट के नियम, दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया और कानूनी पेशे में जिम्मेदारियों के बारे में भी जानकारी ली. यह भ्रमण डीन और डायरेक्टर प्रो. डॉ. मुकेश कुमार साहू के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकों का भी सहयोग रहा.

विश्व आदिवासी दिवस | मप्र जनजातीय संग्रहालय में है जनजातियों से जुड़ी पेंटिंग सहित अन्य सामग्रियां

एक ही छत के नीचे सजी है 7 जनजातियों की विरासत

रोहित रजक

भोपाल, 8 अगस्त. जनजातीय संग्रहालय में बसी है आदिवासी समुदाय की दुनिया. श्यामला हिल्स स्थित यह संग्रहालय इन दिनों विश्व आदिवासी दिवस पर विशेष रूप से चर्चा में है, जहां प्रदेश की अलग-अलग जनजातियों की संस्कृति, परंपराएं और जीवनशैली एक ही जगह देखने को मिल रही हैं.

यहां गोंड, भील, बैगा, कोरकू, सहरिया, कोल और भारिया जनजातियों की झलक एक साथ सामने आती है, जिससे

लोगों का जुड़ाव आदिवासी समाज से बढ़ रहा है.

संग्रहालय में गोंड और भील पेंटिंग, बैगा का गोदना, कोरकू की लकड़ी कला, सहरिया की दीवार सज्जा और बांस से बने पारंपरिक सामान प्रमुख आकर्षण बने हुए हैं. इन कलाओं के जरिए यह दिखाया गया है कि आदिवासी समाज का जीवन जल, जंगल और जमीन से किस तरह जुड़ा है.

विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर यह संग्रहालय आदिवासी समाज की पहचान को सामने लाने और आम लोगों के बीच समझ बढ़ाने का माध्यम बनता दिख रहा है. संग्रहालय के अधिकारी अशोक मिश्रा ने बताया कि मध्य प्रदेश जनजातीय संग्रहालय में सात जनजातियों की परंपराएं जीवंत रूप में संरक्षित हैं, जो विश्व आदिवासी दिवस पर उनकी संस्कृति और जल-जंगल-जमीन से जुड़े गहरे संबंध को दर्शाती हैं.

एमवीएम कॉलेज में सड़क सुरक्षा पर हुआ मंथन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 8 अगस्त. शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय (एमवीएम कॉलेज) में विद्यार्थियों और स्टाफ को जिम्मेदार नागरिक बनाने और आपात स्थिति के लिए तैयार करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया.

महाविद्यालय के एनसीसी संगठन द्वारा अराइव अलाइव इंडिया के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में रोड सेफ्टी अवेयरनेस और इमर्जेंसी रेस्पांस वर्कशॉप में सड़क सुरक्षा के साथ दुर्घटना के समय त्वरित प्रतिक्रिया

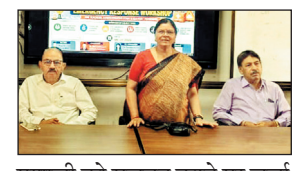

प्रणाली को मजबूत करने पर चर्चा की गई. उच्च शिक्षा में किताबी ज्ञान के अलावा जीवन रक्षा से जुड़े व्यावहारिक कौशल को भी जगह देने के लिए प्राचार्या डॉ. गीता मोदी के संरक्षण में तैयार किया गया. कार्यशाला में मुख्य वक्ता अराइव अलाइव इंडिया के विशेषज्ञ संदीप देलोरी ने सड़क सुरक्षा के व्यवहारिक पहलुओं से अवगत कराया.